🪨 1. पुरापाषाण काल (Palaeolithic Age)

समय: लगभग 25 लाख वर्ष पूर्व से 10,000 ई.पू. तक

मुख्य विशेषताएँ:

यह मानव जीवन का सबसे पुराना चरण था।

लोग शिकारी और फल-संग्राहक थे — खेती नहीं जानते थे।

पत्थर के मोटे और असंवर्धित औज़ार (जैसे हस्तकुठार, चक्की जैसे पत्थर) बनाते थे।

गुफाओं या जंगलों में रहते थे, स्थायी घर नहीं बनाते थे।

आग की खोज इसी समय हुई थी।

भीमबेटका जैसी जगहों पर उनके गुफा चित्र मिले हैं।

👉 यह काल "जीविका के लिए संघर्ष का काल" था।

🪵 2. मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age)

समय: लगभग 10,000 ई.पू. से 8,000 ई.पू. तक

मुख्य विशेषताएँ:

अब जलवायु पहले से कुछ गर्म और स्थिर हुई।

छोटे-छोटे औज़ार (Microliths) बनने लगे — जैसे तीर, भाला, बाण के सिरे।

लोग अब केवल शिकार ही नहीं करते थे, मछली पकड़ना और पशुपालन भी सीखने लगे।

कुत्ता जैसे कुछ पशु पालतू बनाए।

लोग अब स्थायी घर नहीं तो कम से कम अर्ध-स्थायी झोपड़ियाँ बनाने लगे।

कुछ धार्मिक विश्वास उभरने लगे — जैसे मृतकों को दफनाना।

👉 यह काल "शिकार से खेती की ओर बढ़ने का संक्रमण काल" था।

🌾 3. नवपाषाण काल (Neolithic Age)

समय: लगभग 8,000 ई.पू. से 3,000 ई.पू. तक

मुख्य विशेषताएँ:

मानव ने खेती करना सीख लिया।

पशुपालन भी बड़े पैमाने पर किया जाने लगा (गाय, भेड़, बकरी)।

स्थायी घर बनाने लगे — मिट्टी और लकड़ी से।

मिट्टी के बर्तन और कपड़ा बुनना शुरू हुआ।

सामाजिक जीवन विकसित हुआ — परिवार, ग्राम, समुदाय बने।

मेहरगढ़ (बलूचिस्तान) जैसी जगहों पर इसके प्रमाण मिलते हैं।

👉 यह काल "सभ्यता की नींव रखने वाला काल" था।

🧱 संक्षिप्त तुलना तालिका

विशेषता	पुरापाषाण काल	मध्यपाषाण काल	नवपाषाण काल
जीविका	शिकार और फल-संग्रह	शिकार + मछली पकड़ना + पशुपालन	खेती और पशुपालन
औज़ार	मोटे व भारी पत्थर	छोटे व नुकीले पत्थर (Microliths)	चिकने और चमकदार पत्थर
निवास	गुफाएँ	झोपड़ियाँ (अस्थायी)	मिट्टी के घर (स्थायी)
आग का उपयोग	शुरू हुआ	सामान्य हुआ	दैनिक उपयोग में आया
धार्मिक विश्वास	बहुत कम	प्रारंभिक रूप में	स्पष्ट रूप में (देवता, पूजा)
उदाहरण स्थल	भीमबेटका	बागोर, अडिचनल्लूर	मेहरगढ़, चिरांद

सारांश:

पुरापाषाण काल में मनुष्य “प्रकृति पर निर्भर” था,
मध्यपाषाण काल में उसने “प्रकृति से सामंजस्य बनाना सीखा”,
और नवपाषाण काल में उसने “प्रकृति पर नियंत्रण स्थापित किया” —
यही मानव सभ्यता की शुरुआत थी।